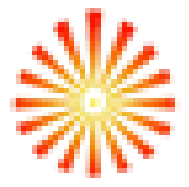


# आओ चलें सम्पूर्णता की ओर



○ 29 / 11 / 14 की मुरली से चार्ट ○

⇒ TOTAL MARKS:- 100 ⇐

---

✽ शिवभगवानुवाच :-

➤ \_ ➤ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

[[1]] स्वमान का अभ्यास (Marks:-10)

➤➤ मैं महादानी वरदानी आत्मा हूँ ।

[[2]] गुण / धारणा पर अटेंशन (Marks:-10)

➤➤ हर आत्मा के सम्बन्ध संपर्क में आते सबको दान देना

[[3]] बाबा से संबंध का अनुभव (Marks:-10)

➤➤ टीचर

[[4]] होमवर्क (Marks:- 7\*5=35)

॥✓॥ "हम अभी वर्थ नॉट पेनी से 'वर्थ पाऊंड' बन रहे हैं" - विनाशी नशे को छोड़ इसी अलोकिक नशे में रहे ?

॥✓॥ चेहरे पर संतुष्टता , रूहानियत और प्रसन्नता की 'मुस्कराहट' रही ?

॥✓॥ श्रेष्ठ स्थिति के वायुमंडल द्वारा और और अपनी वृत्ति के वाइब्रेशनस द्वारा हर आत्मा को 'सहयोग' दिया ?

॥✓॥ 'बाप का शो' करने वाली सर्विस की ?

॥✓॥ बाबा को 'बाप, टीचर , सतगुरु' तीनों संबंधों से याद किया ?

॥✓॥ "स्वयं 'भगवान् हमें पढाते' हैं"- यह स्मृति रही ?

॥X॥ मगरूर बन 'मुरली मिस' तो नहीं की ?

[[5]] विशेष अभ्यास (Marks:-15)

>> बापदादा की 05/11/2014 की अव्यक्त मुरली को अच्छे से 'रीवाइज' किया ?

[[6]] ज्ञान मंथन (वरदान) (Marks:-10)

>> हर आत्मा के सम्बन्ध संपर्क में आते शक्ति , ज्ञान या गुणों का दान देने के लिए हमें किन बातों पर विशेष अटेंशन देना चाहिए ?

\* सबसे पहले तो हर आत्मा को उसके आत्मिक स्वरूप में देखें .. उसे परमात्म की संतान के रूप में देखें ।

\* हर आत्मा को शुभ भावना और शुभ कामना का सहयोग दें ।

\* बाबा से शक्तियां लेकर मनसा द्वारा शक्तियों का दान करें ।

\* स्व स्थिति श्रेष्ठ हो, बहुत समय का खाता जमा किया हुआ हो, जिसके पास जमा होगा वही दे सकेगा।

\* बुद्धि का कनेक्शन बाबा के साथ क्लियर हो, जिससे हमारे द्वारा उस आत्मा को वह प्राप्त हो जिसकी उसे आवश्यकता है।

\* हमारा चेहरा व चलन बहुत रॉयल हो, प्यूरिटी की रोयल्टी हो।

\* अपने दाता पन की सीट पर सेट रहे, कोई भी आत्मा हमारे द्वार से खाली नहीं जाये।

[[7]] ज्ञान मंथन (स्लोगन) (Marks:-10)

>> बापदादा और परिवार की समीपता स्वतः ही चेहरे पर सन्तुष्टता, रूहानियत और प्रसन्नता की मुस्कराहट ले आती है। क्यों?

- \* समीपता से रूहानी प्रेम की शक्ति प्राप्त होती है।
- \* बापदादा की समीपता से सर्व बन्धनों से मुक्ति मिल जाती है जिससे प्रसन्नता आ जाती है।
- \* बापदादा और परिवार की समीपता से सांसारिक इच्छाओं से परे बेहद की सन्तुष्टता मिल जाती है।
- \* बापदादा की समीपता से बेहद की खुशी मिलती है।
- \* बापदादा की समीपता से दुखों से हल्का हो सुख की महसूसता होती है।

⊙\_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स ज़रूर दें ।

ॐ शांति ॐ